## बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी द्वितीय सेमेस्टर
## मुख्य एवं वैकल्पिक पाठ्यक्रम
## प्रथम प्रश्नपत्र - उपन्यास-साहित्य

**कोड : HNB-251**

**क्रेडिट-04** **पूर्णांक-100**

Sessionals : 30
End-Sem. Exam. of 2:30 hours duration : 70

**इकाई-1 : प्रेमचंद-पूर्व एवं प्रेमचंदयुगीन उपन्यास**

1.1 प्रेमचंद पूर्व हिंदी उपन्यास : सामान्य परिचय
(सामाजिक, मनोरंजन प्रधान एवं ऐतिहासिक उपन्यास)

1.2 प्रेमचंदयुगीन हिंदी उपन्यास : परिचय एवं प्रवृत्तियाँ

1.3 उपन्यासकार प्रेमचंद
(परिचय, मूल्यांकन एवं उपन्यास-कला)

1.4 'कर्मभूमि' का समीक्षात्मक अध्ययन
(कथ्य-विश्लेषण, चरित्र-चित्रण, भाषा एवं शिल्प)

**इकाई-2 : प्रेमचंदोत्तर उपन्यास**

2.1 प्रेमचंदोत्तर हिंदी उपन्यास : परिचय एवं प्रवृत्तियाँ
(मनोवैज्ञानिक, सामाजिक यथार्थवादी एवं ऐतिहासिक उपन्यास)

2.2 उपन्यासकार जैनेंद्र
(परिचय, मूल्यांकन एवं उपन्यास-कला)

2.3 'त्यागपत्र' का समीक्षात्मक अध्ययन
(कथ्य-विश्लेषण, चरित्र-चित्रण, भाषा एवं शिल्प)

**इकाई-3 : स्वातंत्र्योत्तर उपन्यास**

3.1 स्वातंत्र्योत्तर हिंदी उपन्यास : परिचय एवं प्रवृत्तियाँ
(अस्तित्त्ववाद, आंचलिकता, स्त्री-विमर्श एवं दलित-विमर्श)

3.2 उपन्यासकार नागार्जुन
(परिचय, मूल्यांकन एवं उपन्यास-कला)

3.3 'वरुण के बेटे' का समीक्षात्मक अध्ययन
(कथ्य-विश्लेषण, चरित्र-चित्रण, भाषा एवं शिल्प)

**पाठ्य पुस्तकें :**
**(1) प्रेमचंद कर्मभूमि**
**(2) जैनेंद्र कुमार त्यागपत्र**
**(3) नागार्जुन वरुण के बेटे**

**नोट :** (i) इस प्रश्नपत्र में तीन खंड होंगे। प्रथम खंड में 05-05 अंक के चार लघूत्तरीय प्रश्न होंगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द-सीमा 100-150 शब्द होगी। द्वितीय खंड में 10-10 अंक के चार प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द-सीमा 200-250 शब्द होगी। तृतीय खंड में 15-15 अंक के तीन दीर्घ उत्तरीय प्रश्न होंगे, इनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

2x5= 10; 3x10=30; 2 x 15 = 30; कुल= 70

(i) सेशनल के लिए 30 अंक निर्धारित हैं।

**सहायक पुस्तकें :**


| | |
|---|---|
| हिंदी उपन्यास | : शिवनारायण श्रीवास्तव |
| हिंदी उपन्यास : सामाजिक चेतना | : कुँवरपाल सिंह |
| कलम का सिपाही | : अमृत राय |
| हिंदी उपन्यास : जनवादी परंपरा | : सं. कुँवरपाल सिंह, अजय बिसारिया |
| हिंदी उपन्यास का विकास | : गोपाल राय |
| हिंदी उपन्यास का विकास | : मधुरेश |
| हिंदी उपन्यास के सौ वर्ष | : सं. वेदप्रकाश अमिताभ |
| आधुनिक हिंदी उपन्यास | : सं. भीष्म साहनी |


Session-2019

**बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी, द्वितीय सेमेस्टर**
**(मुख्य पाठ्यक्रम)**
**द्वितीय प्रश्नपत्र - एकांकी साहित्य**
**कोड : HNB-252**

**क्रेडिट-02** **पूर्णांक-100**
Sessionals : 30
End-Sem. Exam. of 2:30 hours duration : 70

**इकाई-1 : एकांकी एवं एकांकीकार**

1.1 एकांकी की परिभाषा एवं तत्त्व
1.2 नाटक और एकांकी में अंतर
1.3 हिंदी एकांकी का उद्‌भव और विकास
1.4 हिंदी एकांकियों का वर्गीकरण
1.5 हिंदी के प्रमुख एकांकीकार : रामकुमार वर्मा, उपेंद्रनाथ अश्क, भुवनेश्वर प्रसाद, जगदीशचंद्र माथुर एवं लक्ष्मीनारायण लाल

**इकाई-2 : निर्धारित एकांकी नाटकों की आलोचना एवं व्याख्या**

2.1 'कलंक-रेखा' की आलोचना एवं व्याख्या
2.2 'तौलिये' की आलोचना एवं व्याख्या
2.3 'स्ट्राइक' की आलोचना एवं व्याख्या
2.4 'रीढ़ की हड्डी' की आलोचना एवं व्याख्या
2.5 'मम्मी-ठकुराइन' की आलोचना एवं व्याख्या

**नोट :** (i) इस प्रश्नपत्र में तीन खंड होंगे। प्रथम खंड में 05-05 अंक के चार लघूत्तरीय प्रश्न होंगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द-सीमा लगभग 100-150 शब्द होगी। द्वितीय खंड में 10-10 अंक के चार अवतरण होंगे। इनमें से किन्हीं तीन की व्याख्या करनी होगी। तृतीय खंड में 15-15 अंक के तीन दीर्घ उत्तरीय प्रश्न होंगे, इनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

2x5= 10; 3x10=30; 2 x 15 = 30; कुल= 70

(ii) सेशनल के लिए 30 अंक निर्धारित हैं।

**पाठ्य पुस्तक :** सं. वीरेंद्र मिश्र - एकांकी-संकलन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

**सहायक पुस्तकें :**

एकांकी : उद्‌भव और विकास : वीरेन्द्र मिश्र
हिंदी का गद्य विकास : रामचंद्र तिवारी
हिंदी एकांकी और डॉ. रामकुमार वर्मा : पुष्पलता श्रीवास्तव, जयदेव तनेजा

**Session-2019**

**बी.ए. हिंदी, द्वितीय सेमेस्टर**
**द्वितीय प्रश्नपत्र - निबंध साहित्य**
**वैकल्पिक पाठ्यक्रम**
**कोड : HNB-253**

**क्रेडिट-02** **पूर्णांक-100**
Sessionals : 30
End-Sem. Exam. of 2:30 hours duration : 70

**इकाई-1 : निबंध एवं निबंधकार**

1.1 निबंध : परिभाषा एवं स्वरूप
1.2 निबंध के प्रकार
1.3 हिंदी निबंध : उद्‌भव एवं विकास
1.4 प्रमुख निबंधकार : बालकृष्ण भट्‌ट, पूर्णसिंह, रामचंद्र शुक्ल, हजारीप्रसाद द्विवेदी, विद्यानिवास मिश्र, कुबेरनाथ राय

**इकाई-2 : निर्धारित निबंधों का आलोचनात्मक अध्ययन एवं व्याख्या**

निर्धारित निबंध

2.1 मन की दृढ़ता - बालकृष्ण भट्‌ट
2.2 प्रभात - महावीर प्रसाद द्विवेदी
2.3 आचरण की सभ्यता - पूर्णसिंह
2.4 तुलसी की काव्य-पद्धति - रामचंद्र शुक्ल
2.5 हजारीप्रसाद द्विवेदी - आम फिर बौरा गये

**नोट :** (i) इस प्रश्नपत्र में तीन खंड होंगे। प्रथम खंड में 05-05 अंक के चार लघूत्तरीय प्रश्न होंगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द-सीमा लगभग 100-150 शब्द होगी। द्वितीय खंड में 10-10 अंक के चार अवतरण होंगे। इनमें से किन्हीं तीन की व्याख्या करनी होगी। तृतीय खंड में 15-15 अंक के तीन दीर्घ उत्तरीय प्रश्न होंगे, इनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

2x5= 10; 3x10=30; 2 x 15 = 30; कुल= 70

(ii) सेशनल के लिए 30 अंक निर्धारित हैं।

**पाठ्य पुस्तक :** सं. रामदरश मिश्र, डॉ. रामस्वरूप शास्त्री - हिंदी निबंध, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

**सहायक पुस्तकें :**

| | |
|---|---|
| हिंदी का गद्य साहित्य | : रामचंद्र तिवारी |
| हिंदी के प्रतिनिधि निबंधकार | : द्वारिका प्रसाद सक्सेना |
| हिंदी निबंध साहित्य का सांस्कृतिक अध्ययन | : बाबूराम |
| हिंदी गद्य : विन्यास और विकास | : राम स्वरूप चतुर्वेदी |
| हिंदी निबंध साहित्य | : विजय शंकर मल्ल |
| हिंदी निबंध | : शिवप्रसाद सिंह |
| आचार्य रामचंद्र शुक्ल का चिंतन-जगत | : कृष्णदत्त पालीवाल |
| निबंधकार आचार्य रामचंद्र शुक्ल | : लालता प्रसाद सक्सेना |

Session-2019

## बी.ए. /बी.एस-सी. / बी.कॉम द्वितीय सेमेस्टर

### अनिवार्य हिंदी (एलीमेन्टरी) पाठ्यक्रम

**पठन एवं लेखन कौशल** **क्रेडिट-02** **पूर्णांक-100**

Sessionals : 30
End-Sem. Exam. of 2:30 hours duration : 70

**कोड : EHB-251**

**इकाई 1.** **पठन-कौशल**

अपठित गद्यांश या पद्यांश को पढ़कर उन पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखने का अभ्यास

**इकाई 2.** **पत्र-लेखन एवं निबंध-लेखन**

2.1 निमंत्रण-पत्र, बधाई-पत्र, संवेदना-पत्र आदि

2.2 आवेदन-पत्र, प्रार्थना-पत्र, शिकायती पत्र

2.3 निबंध-लेखन (केवल विवरणात्मक) शब्द सीमा : 250

**इकाई 3.** **पल्लवन एवं संक्षेपण**

3.1 वाक्यांशों के लिए एक शब्द

3.2 संक्षेपण का अभ्यास

3.3 पल्लवन का अभ्यास

**नोट :** (i) इस प्रश्नपत्र में तीन खंड होंगे। प्रथम खंड में 05-05 अंक के चार लघूत्तरीय प्रश्न होंगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द-सीमा 100-150 शब्द होगी। द्वितीय खंड में 10-10 अंक के चार प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द-सीमा 200-250 शब्द होगी। तृतीय खंड में 15-15 अंक के तीन दीर्घ उत्तरीय प्रश्न होंगे, इनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

2x5= 10; 3x10=30; 2 x 15 = 30; कुल= 70

(i) सेशनल के लिए 30 अंक निर्धारित हैं।

**सहायक पुस्तक-** आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना डा0 वासुदेवनंदन प्रसाद

**Session-2019**

## बी.ए. /बी.एस-सी. / बी.कॉम द्वितीय सेमेस्टर

## अनिवार्य हिंदी (एन.एम.टी.) पाठ्यक्रम

**वाक्य : बोध एवं प्रयोग**

**क्रेडिट-02** **पूर्णांक-100**

Sessionals : 30

End-Sem. Exam. of 2:30 hours duration : 70

**कोड : VHB-251**

**नोट :** प्रश्नपत्र के सभी निर्देश हिंदी के साथ-साथ अंग्रेज़ी में भी दिये जायेंगे।

**इकाई 1 : हिंदी शब्द-भंडार : सामान्य परिचय (व्याकरण की दृष्टि से)**

1.1 संज्ञा : परिभाषा और पहचान

1.2 सर्वनाम : परिभाषा और पहचान

1.3 क्रिया : परिभाषा और पहचान

1.4 विशेषण : परिभाषा और पहचान

**इकाई 2. हिंदी शब्द-भंडार (दैनिक जीवन में प्रयुक्त होने वाले शब्द)**

2.1 विलोम शब्द

2.2 पर्यायवाची शब्द

2.3 देशज-विदेशी शब्द

2.4 वाक्यांश के लिए एक शब्द

**इकाई 3. वार्तालाप-अभ्यास और उनका लेखन**

3.1 अनौपचारिक बातचीत (परिवार में, रिश्तेदारों से, मित्रों से)

3.2 पूछताछ-संबंधी (बाज़ार कार्यालय/रेलवे स्टेशन/बस स्टैंड)

3.3 किसी पर्यटन-स्थल के बारे में बातचीत;

3.4 हिंदी गाने; सामाजिक सरोकार-संबंधी विज्ञापन; राजनीति, खेल, व्यापार-संबंधी समाचारों का शीर्षक लेखन

**नोट :** (i) इस प्रश्नपत्र में तीन खंड होंगे। प्रथम खंड में 05-05 अंक के चार लघूत्तरीय प्रश्न होंगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द-सीमा 100-150 शब्द होगी। द्वितीय खंड में 10-10 अंक के चार प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द-सीमा 200-250 शब्द होगी। तृतीय खंड में 15-15 अंक के तीन दीर्घ उत्तरीय प्रश्न होंगे, इनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

2x5= 10; 3x10=30; 2 x 15 = 30; कुल= 70

(i) सेशनल के लिए 30 अंक निर्धारित हैं।

**सहायक पुस्तकें**


1. नूतन बाल हिन्दी व्याकरण तथा पत्र श्रीमती राज अग्रवाल
2. सचित्र सरल हिन्दी व्याकरण तथा रचना श्रीमती राज अग्रवाल
3. व्याकरण सेतु (05) अशोक जैन/देवदत्त शर्मा; थीम बुक्स, नई दिल्ली
4. लीला हिंदी प्रबोध (LILA APP) राजभाषा विभाग, भारत सरकार


Session-2019

## बी.ए. (ऑनर्स) द्वितीय सेमेस्टर

## व्यावहारिक एवं प्रयोजनमूलक हिंदी (एफ.सी.एच.)

### प्रथम प्रश्नपत्र - पत्र-लेखन

**कोड : HFB-251**

**क्रेडिट-04 पूर्णांक-100**

Sessionals : 30

End-Sem. Exam. of 2:30 hours duration : 70

**इकाई-1 : पत्र-लेखन : सैद्धांतिक परिचय**

1.1 पत्र-लेखन का प्रयोजन

1.2 पत्र के अंग

1.3 अनौपचारिक पत्र : विस्तार-क्षेत्र; विशेषताएँ; संबोधन, अभिवादन और समाप्ति

1.4 औपचारिक पत्र : कार्यालयी पत्र, व्यावसायिक पत्र, आवेदन/ प्रार्थना-पत्र, निमंत्रण-पत्र

1.5 अच्छे पत्र के गुण : अनौपचारिक, औपचारिक पत्रों के वैशिष्ट्य के आधार पर

1.6 सूचना-तकनीकी और पत्र

**इकाई-2 : अनौचारिक पत्र : प्रकार, स्वरूप एवं अभ्यास**

2.1 संबंधियों-मित्रों को लिखे जाने वाले पत्र

2.2 बधाई-पत्र

2.3 संवेदना-पत्र

2.4 धन्यवाद-पत्र

2.5 शुभकामना-पत्र

**इकाई-3 : औपचारिक पत्र : प्रकार, स्वरूप एवं अभ्यास**

3.1 व्यावसायिक पत्र : पूछताछ-पत्र, खरीद हेतु पत्र, शिकायती पत्र

3.2 आवेदन-पत्र

3.3 प्रार्थना-पत्र

3.4 समस्या-निवारण हेतु पत्र

3.5 संपादक के नाम पत्र

3.6 सूचनार्थ पत्र

3.7 निमंत्रण-पत्र

**नोट :** (i) इस प्रश्नपत्र में तीन खंड होंगे। प्रथम खंड में 05-05 अंक के चार लघूत्तरीय प्रश्न होंगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द-सीमा 100-150 शब्द होगी। द्वितीय खंड में 10-10 अंक के चार प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द-सीमा 200-250 शब्द होगी। तृतीय खंड में 15-15 अंक के तीन दीर्घ उत्तरीय प्रश्न होंगे, इनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

2x5= 10; 3x10=30; 2 x 15 = 30; कुल= 70

(i) सेशनल के लिए 30 अंक निर्धारित हैं।

**सहायक पुस्तकें :**


| | |
|---|---|
| प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धांत और प्रयोग | : दंगल झाल्टे |
| प्रयोजनमूलक हिंदी | : विनोद गोदरे |
| प्रयोजनमूलक प्रशासनिक हिंदी | : दिनेश चमोला 'शैलेश' |
| हिंदी : विविध व्यवहारों की भाषा | : सुवास कुमार |
| हिंदी में काम अगणित आयाम | : शेरजंग गर्ग |


Session-2019

**बी.ए. ऑनर्स द्वितीय सेमेस्टर**

**व्यावहारिक एवं प्रयोजनमूलक हिंदी**

**द्वितीय प्रश्नपत्र - हिंदी के प्रयुक्ति क्षेत्र**

**कोड : HFB-252 क्रेडिट-02 पूर्णांक-100**

Sessionals : 30
End-Sem. Exam. of 2:30 hours duration : 70

## इकाई-1 : साहित्य एवं समाज

1.1 साहित्य के क्षेत्र में प्रयुक्ति : स्वरूप एवं अभ्यास संस्मरण, निबंध, यात्रावृत्त, रिपोर्ताज, संवाद-लेखन।

1.2 सामाजिक क्षेत्र में प्रयुक्ति : स्वरूप एवं अभ्यास प्रतिवेदन, प्रशस्ति, कार्यसूची, कार्यवृत्त, शोक-प्रस्ताव।

## इकाई-2 : वाणिज्य एवं विधि

2.1 वाणिज्य के क्षेत्र में व्यावहारिक प्रयोग आदेश-पत्र, माँग-पत्र, आपूर्ति-पत्र, शिकायत-पत्र, करारनामा।

2.2 प्रशासन एवं विधि के क्षेत्र में प्रयुक्ति का व्यावहारिक अभ्यास शपथपत्र, वसीयत, खोने-पाने की सूचना, प्राथमिकी।

**नोट :** (i) इस प्रश्नपत्र में तीन खंड होंगे। प्रथम खंड में 05-05 अंक के चार लघूत्तरीय प्रश्न होंगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द-सीमा 100-150 शब्द होगी। द्वितीय खंड में 10-10 अंक के चार प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द-सीमा 200-250 शब्द होगी। तृतीय खंड में 15-15 अंक के तीन दीर्घ उत्तरीय प्रश्न होंगे, इनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

2x5= 10; 3x10=30; 2 x 15 = 30; कुल= 70

(i) सेशनल के लिए 30 अंक निर्धारित हैं।

## सहायक पुस्तकें :


प्रयोजनमूलक हिंदी : विनोद गोदरे

प्रयोजनमूलक हिंदी : दंगल झाल्टे

व्यावहारिक हिंदी : ओमप्रकाश सिंहल

प्रयोजनमूलक प्रशासनिक हिंदी : दिनेश चमोला 'शैलेश'


**Session-2019**

## बी0 ए0 (हिंदी) चतुर्थ सेमेस्टर
## मुख्य (मेन) पाठ्यक्रम
## प्रथम प्रश्नपत्र - भक्तिकालीन काव्य
## कोड : HNB-451

**क्रेडिट-04** **पूर्णांक-100**

Sessionals : 30
End-Sem. Exam. of 2:30 hours duration : 70

**इकाई-1 भक्ति का उद्भव और निर्गुण भक्तिकाव्य**

1.1 भक्ति के उद्भव की परिस्थितियाँ, प्रमुख दार्शनिक संप्रदाय द्वैत, द्वैताद्वैत, विशिष्टाद्वैत, शुद्धाद्वैत

1.2 संतमत : निर्गुण उपासना, एकेश्वरवाद, मायावाद, सामाजिक दृष्टि

1.3 सूफ़ी मत : साधना का स्वरूप, प्रेम का महत्त्व, प्रेमाख्यान, रूपक-योजना

1.4 कबीर के काव्य का आलोचनात्मक अध्ययन

1.5 कबीर की काव्यकला

1.6 जायसी के काव्य का आलोचनात्मक अध्ययन

1.7 जायसी की काव्यकला

**इकाई-2 सगुण भक्तिकाव्य एवं भक्तिकाल के अन्य कवि**

2.1 सगुणोपासना, अवतारवाद, लीलागायन

2.2 सूरदास के काव्य का आलोचनात्मक अध्ययन

2.3 सूरदास की काव्यकला

2.4 तुलसीदास के काव्य का आलोचनात्मक अध्ययन

2.5 तुलसीदास की काव्यकला

2.6 भक्तिकाल के अन्य प्रमुख कवि :

(i) मीरा के काव्य की प्रमुख विशेषताएँ

(ii) रहीम के काव्य की प्रमुख विशेषताएँ

**इकाई-3 व्याख्या के लिए निर्धारित पाठ**

3.1 कबीर : साखी 1-15 तथा पद 1-5 ('मध्यकालीन हिंदी काव्य' से)

3.2 जायसी : बनिजारा खंड (संपूर्ण) ('पद्मावत' से)

3.3 सूर : विनय (1-2), शिशु कृष्ण (1), माखन चोरी (1-3) राधिका वल्लभ (1-2) ('मध्यकालीन काव्य-संग्रह' से)

3.4 तुलसी : अंगद दौत्य (1-10), कवितावली : बाल-वर्णन (1-5) ('मध्यकालीन हिंदी काव्य' से)

3.5 मीरा : पद सं. 3-6 ('मध्यकालीन हिंदी काव्य' से)

3.6 रहीम : दोहा सं. 4,5,6,7,10,13,14,15,16 एवं 18 ('मध्यकालीन काव्य-संग्रह' से)

Session-2019

**नोट :** (i) इस प्रश्नपत्र में तीन खंड होंगे। प्रथम खंड में 05-05 अंक के चार लघूत्तरीय प्रश्न होंगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द-सीमा लगभग 100-150 शब्द होगी। द्वितीय खंड में 10-10 अंक के चार अवतरण होंगे। इनमें से किन्हीं तीन की व्याख्या करनी होगी। तृतीय खंड में 15-15 अंक के तीन दीर्घ उत्तरीय प्रश्न होंगे, इनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

2x5= 10; 3x10=30; 2 x 15 = 30; कुल= 70

(ii) सेशनल के लिए 30 अंक निर्धारित हैं।

**पाठ्य पुस्तकें**

सं. विश्वनाथ त्रिपाठी, मध्यकालीन हिंदी काव्य, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

मलिक मुहम्मद जायसी 'पदमावत'

मध्यकालीन काव्य-संग्रह; प्रस्तुति - केंद्रीय हिंदी संस्थान, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

**सहायक पुस्तकें**

| | |
|---|---|
| हिंदी साहित्य का इतिहास | : आचार्य रामचंद्र शुक्ल |
| तुलसीदास | : आचार्य रामचंद्र शुक्ल |
| लोकवादी तुलसी | : विश्वनाथ त्रिपाठी |
| सूर और उनका साहित्य | : हरवंशलाल शर्मा |
| कबीर के काव्य-रूप | : नज़ीर मुहम्मद |
| हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास | : रामस्वरूप चतुर्वेदी |
| मध्यकालीन बोध का स्वरूप | : हजारीप्रसाद द्विवेदी |
| हिंदी साहित्य की भूमिका | : हजारीप्रसाद द्विवेदी |
| भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य | : मैनेजर पाण्डेय |
| जायसी | : विजयदेव नारायण साही |
| हिंदी साहित्य का इतिहास | : नगेंद्र |
| नयी कविता | : जगदीश गुप्त |
| कबीर | : हजारीप्रसाद द्विवेदी |
| संत साहित्य | : परशुराम चतुर्वेदी |
| उत्तरी भारत की संत परंपरा | : परशुराम चतुर्वेदी |
| संत साहित्य की भूमिका | : राजदेव सिंह |

Session-2019

## बी0 ए0 (हिंदी) चतुर्थ सेमेस्टर क्रेडिट-02 पूर्णांक-100

Sessionals : 30
End-Sem. Exam. of 2:30 hours duration : 70

## मुख्य (मेन) पाठ्यक्रम

## द्वितीय प्रश्नपत्र-काव्यांग परिचय

## कोड - HNB-452

**इकाई-1**

1.1 रस : परिभाषा एवं स्वरूप

1.2 रस के अंग

1.3 रस के भेद

1.4 अलंकार : परिभाषा, लक्षण और उदाहरण

1.5 शब्दालंकार अनुप्रास, यमक, श्लेष और वक्रोक्ति

अर्थालंकार उपमा, उत्प्रेक्षा, रूपक, दृष्टांत, निदर्शना, विरोधाभास, विभावना, अन्योक्ति, समासोक्ति, अतिशयोक्ति, विशेषण-विपर्यय, मानवीकरण

1.6 काव्य में अलंकार का महत्त्व

**इकाई-2**

2.1 छंद : परिभाषा एवं स्वरूप

2.2 कुछ प्रमुख छंदों की पहचान और परिचय दोहा, सोरठा, चौपाई, सवैया, घनाक्षरी, हरिगीतिका, रोला, बरवै

2.3 मुक्त छंद से तात्पर्य

2.4 काव्य-गुण : लक्षण एवं भेद

2.5 काव्य-दोष : लक्षण

2.6 प्रमुख काव्यदोषों की पहचान और परिचय स्वशब्दवाच्यत्व, न्यूनपदत्व, अधिकपदत्व, च्युतसंस्कृति, श्रुतिकटुत्व, दुष्क्रमत्व

**नोट :** (i) इस प्रश्नपत्र में तीन खंड होंगे। प्रथम खंड में 05-05 अंक के चार लघूत्तरीय प्रश्न होंगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द-सीमा 100-150 शब्द होगी। द्वितीय खंड में 10-10 अंक के चार प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द-सीमा 200-250 शब्द होगी। तृतीय खंड में 15-15 अंक के तीन दीर्घ उत्तरीय प्रश्न होंगे, इनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

2x5= 10; 3x10=30; 2 x 15 = 30; कुल= 70

(i) सेशनल के लिए 30 अंक निर्धारित हैं।

**सहायक पुस्तकें**

| | |
|---|---|
| काव्यांग प्रकाश | : विजयपाल सिंह |
| नवरस | : गुलाब राय |
| काव्य दर्पण | : रामदहिन मिश्र |
| हिंदी छंद | : रघुनंदन शास्त्री |
| काव्यांग दीपिका | : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र |
| अलंकार मीमांसा | : मुरली मनोहर प्रसाद सिंह |
| रसछंदालंकार | : रामशंकर शुक्ल रसाल |

Session-2019

**बी0 ए0 (हिंदी) चतुर्थ सेमेस्टर** **क्रेडिट-04** **पूर्णांक-100**

**वैकल्पिक (सब्सिडियरी) पाठ्यक्रम**

Sessionals : 30

End-Sem. Exam. of 2:30 hours duration : 70

**प्रथम प्रश्नपत्र-आधुनिक कविता**

**कोड - HNB-453**

**इकाई-1 आधुनिक हिंदी कविता (छायावाद तक)**

1.1 भारतेंदु युग : काव्य-भाषा का प्रश्न, परंपरा और आधुनिकता, समाजोन्मुखता

1.2 द्विवेदी युग : राष्ट्रीयता, उपदेशात्मकता, इतिवृत्तात्मकता

1.3 छायावाद : भाव एवं शिल्पगत प्रवृत्तियाँ

1.4 मैथिलीशरण गुप्त के काव्य की प्रमुख विशेषताएँ

1.5 जयशंकर प्रसाद के काव्य की प्रमुख विशेषताएँ

1.6 सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' के काव्य की प्रमुख विशेषताएँ

**इकाई-2 छायावादोत्तर हिंदी कविता**

2.1 प्रगतिवाद : वर्ग-चेतना, सौंदर्य-बोध, व्यंग्यात्मकता, जन-भाषा

2.2 नई कविता : बौद्धिकता, व्यक्ति-केंद्रिकता, प्रतिबद्धता, यथार्थ-चेतना, शिल्पगत प्रयोग

2.3 नागार्जुन के काव्य की प्रमुख विशेषताएँ

2.4 अज्ञेय के काव्य की प्रमुख विशेषताएँ

2.5 धूमिल के काव्य की प्रमुख विशेषताएँ

**इकाई-3 व्याख्या के लिए निर्धारित पाठ**

3.1 मैथिलीशरण गुप्त : 'उर्मिला' तथा 'यशोधरा'

3.2 जयशंकर प्रसाद : 'आँसू'

3.3 सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' : 'संध्या सुंदरी', 'स्नेह निर्झर' एवं 'भिक्षुक'

3.4 नागार्जुन - कालिदास, तुम किशोर तुम तरुण

3.5 अज्ञेय - बाबरा अहेरी, कलगी बाजरे की, छब्बीस जनवरी

3.6 धूमिल - प्रौढ़ शिक्षा, भाषा की रात

**नोट** : (i) इस प्रश्नपत्र में तीन खंड होंगे। प्रथम खंड में 05-05 अंक के चार लघूत्तरीय प्रश्न होंगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द-सीमा लगभग 100-150 शब्द होगी। द्वितीय खंड में 10-10 अंक के चार अवतरण होंगे। इनमें से किन्हीं तीन की व्याख्या करनी होगी। तृतीय खंड में 15-15 अंक के तीन दीर्घ उत्तरीय प्रश्न होंगे, इनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

2x5= 10; 3x10=30; 2 x 15 = 30; कुल= 70

(ii) सेशनल के लिए 30 अंक निर्धारित हैं।

Session-2019

**पाठ्य पुस्तक :**

आधुनिक काव्य-संग्रह - सं. रामवीर सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

**सहायक पुस्तकें :**

| | |
|---|---|
| भारतेंदु युग और हिंदी की विकास परंपरा | : रामविलास शर्मा |
| मैथिलीशरण गुप्त | : राधेश्याम शर्मा |
| छायावाद | : नामवर सिंह |
| जयशंकर प्रसाद | : नंददुलारे वाजपेयी |
| छायावाद : पुनर्मूल्यांकन | : सुमित्रानंदन पंत |
| हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास | : रामस्वरूप चतुर्वेदी |
| हिंदी साहित्य का इतिहास | : विजयेंद्र स्नातक |
| प्रगतिशील कविता के सौंदर्य मूल्य | : अजय तिवारी |
| अज्ञेय की काव्य तितीर्षा | : नंद किशोर आचार्य |
| अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या | : रामस्वरूप चतुर्वेदी |
| निराला | : रामविलास शर्मा |
| क्रांतिकारी कवि निराला | : बच्चन सिंह |

## बी0 ए0 (हिंदी) चतुर्थ सेमेस्टर
## वैकल्पिक (सब्सिडियरी) पाठ्यक्रम
## द्वितीय प्रश्नपत्र-रीतिकालीन कविता
## कोड - HNB-454

**क्रेडिट-02** **पूर्णांक-100**

Sessionals : 30
End-Sem. Exam. of 2:30 hours duration : 70

**इकाई-1**

1.1 रीतिकाल : परिस्थितियाँ एवं नामकरण
1.2 रीतिबद्ध काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ
1.3 प्रमुख आचार्य कवियों का परिचय - केशव, देव, मतिराम
1.4 देव और मतिराम के काव्य की प्रमुख विशेषताएँ
1.5 बिहारी की काव्यकला
1.6 रीतिमुक्त काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ
1.7 घनानंद के काव्य की प्रमुख विशेषताएँ

**इकाई-2**

**निर्धारित पाठों की व्याख्या**

2.1 देव
2.2 मतिराम
2.3 बिहारी
2.4 घनानंद

**नोट :** (i) इस प्रश्नपत्र में तीन खंड होंगे। प्रथम खंड में 05-05 अंक के चार लघूत्तरीय प्रश्न होंगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द-सीमा लगभग 100-150 शब्द होगी। द्वितीय खंड में 10-10 अंक के चार अवतरण होंगे। इनमें से किन्हीं तीन की व्याख्या करनी होगी। तृतीय खंड में 15-15 अंक के तीन दीर्घ उत्तरीय प्रश्न होंगे, इनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

2x5= 10; 3x10=30; 2 x 15 = 30; कुल= 70

(ii) सेशनल के लिए 30 अंक निर्धारित हैं।

**पाठ्य पुस्तक**

मध्यकालीन काव्य-संग्रह, प्रस्तुति-केंद्रीय हिंदी संस्थान, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

**सहायक पुस्तकें**

हिंदी साहित्य का इतिहास : रामचंद्र शुक्ल
हिंदी साहित्य का इतिहास : नगेंद्र (संपा.)
केशव और उनका साहित्य : विजयपाल सिंह
बिहारी : विश्वनाथप्रसाद मिश्र
घनानंद कवित्व (भूमिका) : विश्वनाथप्रसाद मिश्र
रीतिमुक्त कवि घनानंद : शशि सहगल
हिंदी साहित्य का अतीत : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी
हिंदी के प्राचीन प्रतिनिधि कवि : द्वारिकाप्रसाद सक्सेना

Session-2019

## बी0 ए0 चतुर्थ सेमेस्टर
## व्यावहारिक एवं प्रयोजनमूलक हिंदी (एफ.सी.एच.)
## प्रथम प्रश्नपत्र : मीडिया लेखन

**कोड : HFB-451** **क्रेडिट-04** **पूर्णांक-100**

Sessionals : 30
End-Sem. Exam. of 2:30 hours duration : 70

**इकाई-1**

1.1 प्रिंट मीडिया एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का परिचय

1.2 प्रिंट मीडिया के विविध रूप एवं हिंदी (समाचार-पत्र, पत्रिकाएँ, पोस्टर, विज्ञापन)

1.3 इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के विविध रूप एवं हिंदी (रेडियो, टेलीविजन, इन्टरनेट)

1.4 हिंदी के विकास में मीडिया की भूमिका

1.5 इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रिंट मीडिया की हिंदी का तुलनात्मक विवेचन

**इकाई-2**

2.1 समाचार के विविध क्षेत्र (राजनीतिक, सामाजिक, खेल एवं सांस्कृतिक)

2.2 समाचार-लेखक के गुण

2.3 समाचार-लेखन के सिद्धांत

2.4 समाचार का प्रस्तुतीकरण

2.5 समाचार-संपादन

2.6 रिपोर्ट-लेखन फ़ीचर लेखन, संपादकीय लेखन

**इकाई-3**

3.1 विज्ञापन का महत्त्व

3.2 विज्ञापन के माध्यम (दृश्य, श्रव्य एवं दृश्य-श्रव्य)

3.3 विज्ञापनों की भाषा

3.3 विज्ञापनों के प्रकार एवं उनका व्यावहारिक अभ्यास
(रोज़गारपरक, वैवाहिक, व्यावसायिक एवं सरकारी विज्ञापन)

3.5 स्क्रिप्ट का स्वरूप विवेचन

3.6 प्रकरण-लेखन (एपिसोड राइटिंग) का व्यावहारिक अभ्यास

**नोट :** (i) इस प्रश्नपत्र में तीन खंड होंगे। प्रथम खंड में 05-05 अंक के चार लघूत्तरीय प्रश्न होंगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द-सीमा 100-150 शब्द होगी। द्वितीय खंड में 10-10 अंक के चार प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द-सीमा 200-250 शब्द होगी। तृतीय खंड में 15-15 अंक के तीन दीर्घ उत्तरीय प्रश्न होंगे, इनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

2x5= 10; 3x10=30; 2 x 15 = 30; कुल= 70

(i) सेशनल के लिए 30 अंक निर्धारित हैं।

**Session-2019**

**सहायक पुस्तकें**


सम्प्रेषणमूलक हिंदी, दिनेश गुप्त, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

जनसंचार माध्यम, विविध आयाम, बृजमोहन गुप्त, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

दूरसंचार : नई दिशाएँ, सी.एस. गर्ग, राजपाल एण्ड संस, दिल्ली

संवाद और संवाददाता - राजेंद्र

हिंदी पत्रकारिता - अर्जुन तिवारी

मीडिया लेखन - कृष्णकुमार रत्तू

हिंदी पत्रकारिता का इतिहास - वेदप्रताप वैदिक

टी.वी. पत्रकारिता - कृष्णकुमार रत्तू

प्रयोजनमूलक प्रशासनिक हिंदी - दिनेश चमोला 'शैलेश'


**Session-2019**

# बी0 ए0 चतुर्थ सेमेस्टर

## व्यावहारिक एवं प्रयोजनमूलक हिंदी एफ.सी.एच.

## द्वितीय प्रश्नपत्र : अनुवाद

## कोड - HFB-452

**क्रेडिट-02 पूर्णांक-100**

Sessionals : 30
End-Sem. Exam. of 2:30 hours duration : 70

**इकाई-1 अनुवाद : सामान्य परिचय**

1.1 अनुवाद की आवश्यकता, क्षेत्र एवं महत्त्व

1.2 अनुवाद के प्रकार : शब्दानुवाद, भावानुवाद, सारानुवाद

1.3 हिंदी-अंग्रेजी की वाक्य-संरचना : परसर्ग, क्रिया-विशेषण, व्याकरणिक कोटियों की स्थितियाँ

1.4 हिंदी-अंग्रेजी के प्रचलित मुहावरों के अनुवाद की समस्याएँ

**इकाई-2 अनुवाद : व्यावहारिक अभ्यास**

2.1 आवेदन-पत्र, प्रार्थना-पत्र

2.2 नेमी टिप्पणियाँ

2.3 प्रशासनिक अनुवाद : ज्ञापन, परिपत्र, आदेश, सूचना

2.4 पत्रकारिता अनुवाद : समाचार, विज्ञापन, खेल संबंधी अनुवाद

2.5 मानविकी अनुवाद (एक अनुच्छेद का)

**नोट :** (i) इस प्रश्नपत्र में तीन खंड होंगे। प्रथम खंड में 05-05 अंक के चार लघूत्तरीय प्रश्न होंगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द-सीमा 100-150 शब्द होगी। द्वितीय खंड में 10-10 अंक के चार प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द-सीमा 200-250 शब्द होगी। तृतीय खंड में 15-15 अंक के तीन दीर्घ उत्तरीय प्रश्न होंगे, इनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

2x5= 10; 3x10=30; 2 x 15 = 30; कुल= 70

(i) सेशनल के लिए 30 अंक निर्धारित हैं।

**सहायक ग्रंथ :**

भोलानाथ तिवारी : अनुवाद विज्ञान
भोलानाथ तिवारी : अनुवाद की व्यावहारिक समस्याएँ
भोलानाथ तिवारी : कार्यालयी अनुवाद की समस्याएँ
विनोद गोदरे : प्रयोजनमूलक हिंदी
कैलाशचन्द्र भाटिया : अनुवाद कला सिद्धांत और प्रयोग
दंगल झाल्टे : प्रयोजनमूलक हिंदी
ओमप्रकाश सिंहल : व्यावहारिक हिंदी
दिनेश चमोला 'शैलेश' : प्रयोजनमूलक प्रशासनिक हिंदी
आरिफ़ नज़ीर : अनुवाद : सिद्धांत और स्वरूप
विमलेश कांति वर्मा : अनुवाद और तत्काल भाषांतरण
रीतारानी पालीवाल : अनुवाद और भाषिक संस्कृति

**Session-2019**

(प्रयोजनपरक संदर्भ)

## बी0 ए0 (हिंदी) षष्ठ सेमेस्टर

## प्रथम प्रश्नपत्र : हिन्दी भाषा का विकास

**कोड-HNB-651**

**क्रेडिट-04** **पूर्णांक-100**

Sessionals : 30
End-Sem. Exam. of 2:30 hours duration : 70

### इकाई 1

1.1 अपभ्रंश, अवहठ्ठ और पुरानी हिंदी
1.2 आरंभिक हिंदी की प्रमुख भाषिक विशेषताएँ
1.3 प्राचीन सांस्कृतिक जनपद और हिंदी की बोलियाँ
1.4 काव्य-भाषा के रूप में अवधी और ब्रज का विकास
1.5 हिंदी : उपभाषाएँ और बोलियाँ

### इकाई 2

2.1 19वीं शती में खड़ी बोली गद्य का विकास
2.2 हिंदी भाषा का मानकीकरण
2.3 हिंदी, उर्दू और हिंदुस्तानी
2.4 हिंदी का प्रचार-प्रसार करनेवाली संस्थाएँ
2.5 स्वाधीनता आंदोलन और राष्ट्रभाषा का प्रश्न

### इकाई 3

3.1 संविधान में राजभाषा-संबंधी प्रावधान
3.2 राजभाषा आयोग, राजभाषा समिति, राजभाषा अधिनियम
3.3 राष्ट्रपति के आदेश, संसद का संकल्प, राजभाषा नियम 1976
3.4 राजभाषा के रूप में हिंदी का विकास : समस्याएँ और प्रगति
3.5 सूचना-प्रौद्योगिकी और हिंदी

**नोट :** (i) इस प्रश्नपत्र में तीन खंड होंगे। प्रथम खंड में 05-05 अंक के चार लघूत्तरीय प्रश्न होंगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द-सीमा 100-150 शब्द होगी। द्वितीय खंड में 10-10 अंक के चार प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द-सीमा 200-250 शब्द होगी। तृतीय खंड में 15-15 अंक के तीन दीर्घ उत्तरीय प्रश्न होंगे, इनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

2x5= 10; 3x10=30; 2 x 15 = 30; कुल= 70

(i) सेशनल के लिए 30 अंक निर्धारित हैं।

**सहायक पुस्तकें :**


1. हिंदी भाषा : हरदेव बाहरी
2. हिंदी हम सबकी : शिवसागर मिश्र
3. समय के साथ दौड़ती हिंदी : कैलाश चंद्र भाटिया
4. हिंदी भाषा : भोलानाथ तिवारी
5. हिंदी भाषा का उद्भव और विकास : उदयनारायण तिवारी
6. कामकाजी हिंदी : कैलाश चंद्र भाटिया
7. हिंदी भाषा : अतीत से आज तक : विजय अग्रवाल
8. हिंदी भाषा और नागरी लिपि : भोलानाथ तिवारी
9. हिंदी और उसकी उपभाषाओं का स्वरूप : अंबाप्रसाद सुमन
10. हिंदी भाषा का इतिहास : धीरेंद्र वर्मा


Session-2019

## बी0 ए0 (हिंदी) षष्ठ सेमेस्टर

## द्वितीय प्रश्नपत्र : आधुनिक कविता (छायावाद के बाद)

**कोड : HNB-652** **क्रेडिट-04** **पूर्णांक-100**

Sessionals : 30
End-Sem. Exam. of 2:30 hours duration : 70

**इकाई 1 उत्तर-छायावादी एवं प्रगतिवादी काव्य का अध्ययन**

1.1 उत्तर-छायावादी काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ
1.2 रामधारी सिंह 'दिनकर' के काव्य की प्रमुख विशेषताएँ
1.3 प्रगतिवाद : वर्ग-चेतना, सौंदर्य-बोध, व्यंग्यात्मकता, जन-भाषा
1.4 नागार्जुन के काव्य का आलोचनात्मक अध्ययन
1.5 केदारनाथ अग्रवाल के काव्य का आलोचनात्मक अध्ययन

**इकाई 2 प्रयोगवाद, नई कविता एवं परवर्ती कविता का परिदृश्य**

2.1 प्रयोगवाद का नामकरण एवं प्रयोगवादी कविता की प्रवृत्तियाँ
2.2 प्रयोगवाद एवं नई कविता का अंतःसंबंध
2.3 नई कविता : बौद्धिकता, व्यक्ति-केंद्रिकता, प्रतिबद्धता, यथार्थ-चेतना, शिल्पगत प्रयोग
2.4 अज्ञेय के काव्य का आलोचनात्मक अध्ययन
2.5 गजानन माधव 'मुक्तिबोध' के काव्य का आलोचनात्मक अध्ययन

**इकाई 3 व्याख्या के लिए निर्धारित कविताएँ**

3.1 **रामधारी सिंह 'दिनकर' :** विपथगा, परशुराम के उपदेश
3.2 **नागार्जुन :** उनको प्रणाम, अकाल और उसके बाद, तीनों बंदर बापू के
3.3 **अज्ञेय :** हरी घास पर क्षण भर, नदी के द्वीप, चाँदनी जी लो, बना दे चितेरे
3.4 **मुक्तिबोध :** ब्रह्मराक्षस
3.5 **केदारनाथ अग्रवाल :** छोटे हाथ, धरती, आज नदी बिल्कुल उदास थी, चंद्रगहना से लौटती बेर
3.6 **भवानीप्रसाद मिश्र :** लुहार से, मेरे नेता, मंगल-वर्षा
3.7 **रघुवीर सहाय :** सड़क पर रपट, हँसो हँसो जल्दी हँसो, रामदास
3.8 **राजेश जोशी :** रुको बच्चो, उसकी गृहस्थी, उस प्लम्बर का नाम

**नोट :** (i) इस प्रश्नपत्र में तीन खंड होंगे। प्रथम खंड में 05-05 अंक के चार लघूत्तरीय प्रश्न होंगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द-सीमा लगभग 100-150 शब्द होगी। द्वितीय खंड में 10-10 अंक के चार अवतरण होंगे। इनमें से किन्हीं तीन की व्याख्या करनी होगी। तृतीय खंड में 15-15 अंक के तीन दीर्घ उत्तरीय प्रश्न होंगे, इनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

2x5= 10; 3x10=30; 2 x 15 = 30; कुल= 70

(ii) सेशनल के लिए 30 अंक निर्धारित हैं।

**पाठ्य पुस्तकें :**


1. आधुनिक काव्य-संग्रह : सं. रामवीर सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2. नागार्जुन : प्रतिनिधि कविताएँ-सं. नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3. केदारनाथ अग्रवाल : संकलित कविताएँ-सं. विश्वनाथ त्रिपाठी, नेशनल बुक ट्रस्ट ऑफ़ इंडिया, दिल्ली
4. मुक्तिबोध : चाँद का मुँह टेढ़ा है, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली
5. राजेश जोशी : दो पंक्तियों के बीच, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली


Session-2019

**सहायक पुस्तकें :**

| | |
|---|---|
| युगचारण दिनकर | : सावित्री सिन्हा |
| रामधारी सिंह दिनकर | : विजयेन्द्र नारायण सिंह |
| प्रगतिशील कविता के सौंदर्य-मूल्य | : अजय तिवारी |
| नागार्जुन की कविता | : अजय तिवारी |
| पेड़ का हाथ | : विश्वनाथ त्रिपाठी |
| नयी कविता और अस्तित्ववाद | : रामविलास शर्मा |
| कविता के नये प्रतिमान | : नामवर सिंह |
| समकालीन कविता का यथार्थ | : परमानंद श्रीवास्तव |
| समकालीन हिंदी कविता | : रवींद्र भ्रमर |
| समकालीनता और साहित्य | : राजेश जोशी |
| आज की कविता | : विनय विश्वास |
| आधुनिक कविता-यात्रा | : रामस्वरूप चतुर्वेदी |
| अज्ञेय साहित्य : प्रयोग और मूल्यांकन | : केदार शर्मा |
| अज्ञेय की काव्य-तितीर्षा | : नंद किशोर आचार्य |
| अपने अपने अज्ञेय | : सं0 ओम थानवी |
| मुक्तिबोध की कविताई | : अशोक चक्रधर |
| रघुवीर सहाय का कविकर्म | : सुरेश शर्मा |
| मुक्तिबोध : ज्ञान और संवेदना | : नंद किशोर नवल |
| हिंदी नवगीत की विकास-यात्रा | : माधव कौशिक |
| नेहरू युग और अकविता | : वेद प्रकाश |
| भारत की उन्नति और साहित्य | : आरिफ़ नज़ीर |

## बी0 ए0 (हिंदी) षष्ठ सेमेस्टर

## तृतीय प्रश्नपत्र : निबंध साहित्य

**कोड : HNB-653** **क्रेडिट-04** **पूर्णांक-100**

Sessionals : 30
End-Sem. Exam. of 2:30 hours duration : 70

**इकाई : 1 निबंध : उद्‌भव और स्वरूप**

1.1 निबंध : परिभाषा एवं स्वरूप
1.2 निबंध के प्रकार
1.3 हिंदी गद्य का उद्‌भव और निबंध साहित्य
1.4 भारतेंदु हरिश्चंद्र, रामचंद्र शुक्ल, हजारीप्रसाद द्विवेदी, कुबेरनाथ राय एवं हरिशंकर परसाई की निबंध-शैली का वैशिष्ट्य
1.5 'कंकर स्तोत्र' (भारतेन्दु हरिश्चंद्र) एवं 'मेले का ऊँट' (बालमुकुंद गुप्त) निबंधों का आलोचनात्मक अध्ययन

**इकाई : 2 हिंदी निबंध का विकास**

2.1 'लोभ और प्रीति' (रामचंद्र शुक्ल) का आलोचनात्मक अध्ययन
2.2 'अशोक के फूल' (हजारीप्रसाद द्विवेदी) का आलोचनात्मक अध्ययन
2.3 'हिंदी उपन्यास' (नगेंद्र) का आलोचनात्मक अध्ययन
2.4 'फतहपुर सीकरी' (रघुवीर सिंह) का आलोचनात्मक अध्ययन
2.5 'निर्वासन और नीलकण्ठी प्रिया' (कुबेरनाथ राय) का आलोचनात्मक अध्ययन

**इकाई : 3 व्याख्या के लिए निर्धारित पाठ**

3.1 लोभ और प्रीति (रामचंद्र शुक्ल)
3.2 अशोक के फूल (हजारीप्रसाद द्विवेदी)
3.3 सौंदर्य की उपयोगिता (रामविलास शर्मा)
3.4 निर्वासन और नीलकण्ठी प्रिया (कुबेरनाथ राय)
3.5 निंदा-रस (हरिशंकर परसाई)

**नोट :** (i) इस प्रश्नपत्र में तीन खंड होंगे। प्रथम खंड में 05-05 अंक के चार लघूत्तरीय प्रश्न होंगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द-सीमा लगभग 100-150 शब्द होगी। द्वितीय खंड में 10-10 अंक के चार अवतरण होंगे। इनमें से किन्हीं तीन की व्याख्या करनी होगी। तृतीय खंड में 15-15 अंक के तीन दीर्घ उत्तरीय प्रश्न होंगे, इनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

2x5= 10; 3x10=30; 2 x 15 = 30; कुल= 70

(ii) सेशनल के लिए 30 अंक निर्धारित हैं।

**पाठ्य पुस्तकें :**

सं. अचला शर्मा, **श्रेष्ठ हिंदी निबंध,** राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
सं. कमला प्रसाद, **परसाई रचनावली, भाग-3,** राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
सं. हेमन्त शर्मा, **भारतेंदु समग्र,** हिंदी प्रचारक संस्थान, वाराणसी

**सहायक पुस्तकें :**

हिंदी का गद्य साहित्य : रामचंद्र तिवारी

**Session-2019**

| | | |
|---|---|---|
| हिंदी निबंध | : | शिवप्रसाद सिंह |
| हिंदी निबंध साहित्य | : | विजयशंकर मल्ल |
| हिंदी गद्य : विन्यास और विकास | : | रामस्वरूप चतुर्वेदी |
| हिंदी के प्रतिनिधि निबंधकार | : | द्वारिकाप्रसाद सक्सेना |
| हिंदी निबंध साहित्य का सांस्कृतिक अध्ययन | : | बाबूराम |
| आचार्य रामचंद्र शुक्ल का चिंतन-जगत | : | कृष्णदत्त पालीवाल |
| निबंधकार आचार्य रामचंद्र शुक्ल | : | लालता प्रसाद सक्सेना |
| दूसरी परंपरा की खोज | : | नामवर सिंह |
| तुम्हारा परसाई | : | कांतिकुमार जैन |
| हरिशंकर परसाई : व्यंग्य की व्याप्ति और गहराई | : | वेद प्रकाश |

## बी0 ए0 (हिंदी) षष्ठ सेमेस्टर
## चतुर्थ प्रश्नपत्र : कथेतर गद्य विधाएँ
## कोड : HNB-654

**क्रेडिट-04** **पूर्णांक-100**

Sessionals : 30
End-Sem. Exam. of 2:30 hours duration : 70

**इकाई : 1 यात्रावृत्त एवं रिपोर्ताज**

1.1 यात्रावृत्त साहित्य का सामान्य परिचय
1.2 राहुल सांकृत्यायन के यात्रा-वृत्तों की प्रमुख विशेषताएँ
1.3 'यात्रा का अंत' का आलोचनात्मक अध्ययन
1.4 रिपोर्ताज साहित्य का सामान्य परिचय
1.5 रांगेय राघव के रिपोर्ताज-साहित्य की प्रमुख विशेषताएँ
1.6 'बाँध भँगे दाओ' का आलोचनात्मक अध्ययन
1.7 'सरयू पार की यात्रा' का अध्ययन (केवल लघूत्तरात्मक प्रश्नों के लिए)

**इकाई : 2 संस्मरण एवं रेखाचित्र**

2.1 संस्मरण एवं रेखाचित्र : परिभाषा, तत्त्व एवं स्वरूप
2.2 संस्मरण साहित्य का सामान्य परिचय
2.3 महादेवी वर्मा के संस्मरण-साहित्य की प्रमुख विशेषताएँ
2.4 'गूंगिया' का आलोचनात्मक अध्ययन
2.5 रेखाचित्र-साहित्य का सामान्य परिचय
2.6 रामवृक्ष बेनीपुरी के रेखाचित्रों की प्रमुख विशेषताएँ
2.7 'रूपा की आजी' का आलोचनात्मक अध्ययन
2.8 'राजर्षि का जीवन-दर्शन' एवं 'बरगद' का अध्ययन (केवल लघूत्तरात्मक प्रश्नों के लिए)

**इकाई : 3 आत्मकथा, जीवनी एवं डायरी**

3.1 आत्मकथा : परिभाषा, तत्त्व एवं स्वरूप
3.2 आत्मकथा साहित्य का सामान्य परिचय
3.3 हरिवंश राय बच्चन के आत्मकथा-अंश 'मैं और मेरी कविता' का आलोचनात्मक अध्ययन
3.4 जीवनी : परिभाषा, तत्त्व एवं स्वरूप
3.5 जीवनी साहित्य का सामान्य परिचय
3.6 विष्णु प्रभाकर कृत शरतचंद्र का जीवनी-अंश 'दिशा की खोज में' का आलोचनात्मक अध्ययन
3.7 डायरी-लेखन की प्रमुख विशेषताएँ
3.8 अजित कुमार और राजेंद्र प्रसाद के डायरी-अंशों 'अंकन' और 'डायरी से' का अध्ययन (केवल लघूत्तरात्मक प्रश्नों के लिए)

**नोट :** (i) इस प्रश्नपत्र में तीन खंड होंगे। प्रथम खंड में 05-05 अंक के चार लघूत्तरीय प्रश्न होंगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द-सीमा 100-150 शब्द होगी। द्वितीय खंड में 10-10 अंक के चार प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द-सीमा 200-250 शब्द होगी। तृतीय खंड में 15-15 अंक के तीन दीर्घ उत्तरीय प्रश्न होंगे, इनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

2x5= 10; 3x10=30; 2 x 15 = 30; कुल= 70

(i) सेशनल के लिए 30 अंक निर्धारित हैं।

**पाठ्य पुस्तक :**

गद्य के विविध रूप माजदा असद, ग्रंथ अकादमी, नई दिल्ली

**Session-2019**

**सहायक पुस्तकें :**

| | |
|---|---|
| हिंदी साहित्य की नयी विधाएँ | : कैलाश चंद्र भाटिया |
| गद्य की नयी विधाओं का विकास | : माजदा असद |
| हिंदी साहित्य कोश | : धीरेंद्र वर्मा (सं.) |
| हिंदी का गद्य साहित्य | : रामचंद्र तिवारी |
| हिंदी साहित्य का इतिहास | : नगेंद्र (सं.) |
| हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास | : बच्चन सिंह |
| गद्य की पहचान | : अरुण प्रकाश |

**Session-2019**

## बी0 ए0 (हिंदी) षष्ठ सेमेस्टर
## पंचम प्रश्नपत्र : आधुनिक साहित्य-विमर्श
## कोड : HNB-655

**इकाई : 1 स्त्री विमर्श** **क्रेडिट-04** **पूर्णांक-100**

Sessionals : 30
End-Sem. Exam. of 2:30 hours duration : 70

1.1 स्त्री विमर्श : अवधारणा एवं विभिन्न दृष्टियाँ
1.2 स्त्री विमर्श के प्रमुख मुद्दे :
- स्त्री मुक्ति आंदोलन - ऐतिहासिक रूपरेखा
- समानता और अधिकार (राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक संदर्भों में)

1.3 स्त्री विमर्श की दृष्टि से 'आत्मकथा' का महत्व
1.4 आत्मकथेतर साहित्य
1.5 हिंदी साहित्य में स्त्री विमर्श की उपस्थिति : दशा और दिशा
1.6 स्त्री विमर्श की उपलब्धियाँ एवं सीमाएँ

**इकाई : 2 दलित विमर्श**

2.1 दलित विमर्श : अवधारणा एवं विभिन्न दृष्टियाँ
2.2 वैचारिक स्रोत
2.3 दलित विमर्श की दृष्टि से आत्मकथा का महत्त्व
2.4 सौंदर्यशास्त्र संबंधी मान्यताएँ
2.5 हिंदी साहित्य में दलित लेखन : दशा और दिशा
2.6 दलित विमर्श की उपलब्धियाँ एवं सीमाएँ

**इकाई : 3 अन्य विमर्श**

3.1 आदिवासी विमर्श : अवधारणा
3.2 आदिवासी समुदायों के संघर्ष के रूप : अस्तित्व और संस्कृति के संदर्भ में
3.3 हिंदी साहित्य में आदिवासी विमर्श : दशा और दिशा
3.4 उत्तर औपनिवेशिक विमर्श : अवधारणा
3.5 हिंदी साहित्य में उत्तर-औपनिवेशिक विमर्श : स्थिति एवं संभावना

**नोट :** (i) इस प्रश्नपत्र में तीन खंड होंगे। प्रथम खंड में 05-05 अंक के चार लघूत्तरीय प्रश्न होंगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द-सीमा 100-150 शब्द होगी। द्वितीय खंड में 10-10 अंक के चार प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द-सीमा 200-250 शब्द होगी। तृतीय खंड में 15-15 अंक के तीन दीर्घ उत्तरीय प्रश्न होंगे, इनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

2x5= 10; 3x10=30; 2 x 15 = 30; कुल= 70

(i) सेशनल के लिए 30 अंक निर्धारित हैं।

**सहायक पुस्तकें :**

| | | |
|---|---|---|
| स्त्री संघर्ष का इतिहास | : | राधा कुमार |
| उपनिवेश में स्त्री | : | प्रभा खेतान |
| शृंखला की कड़ियाँ | : | महादेवी वर्मा |
| सीमंतनी उपदेश | : | सं. धर्मवीर |

**Session-2019**

| | | |
|---|---|---|
| स्त्री विमर्श | : | रमणिका गुप्ता |
| स्त्री के लिए जगह | : | सं. राजकिशोर |
| स्त्री उपेक्षिता | : | सीमोन द बोउआर |
| औरत होने की सजा | : | अरविंद कुमार |
| अम्बेडकर : एक चिंतन | : | मधु लिमये |
| हरिजन से दलित | : | सं. राजकिशोर |
| दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र | : | ओमप्रकाश वाल्मीकि |
| दलित विमर्श की भूमिका | : | कँवल भारती |
| दलित साहित्य : एक अंतर्यात्रा | : | बजरंग बिहारी तिवारी |
| आधुनिकता के आयने में दलित | : | सं. अभय कुमार दुबे |
| मैं हिंदू क्यों नहीं | : | कांचा इल्लैया |
| आज का दलित साहित्य | : | तेज सिंह |
| आदिवासी लेखन : एक उभरती चेतना | : | रमणिका गुप्ता |
| आदिवासी दुनिया | : | हरिराम मीणा |
| आदि धरम | : | रामदयाल मुंडा |
| आदिवासी साहित्य : परंपरा और प्रयोजन | : | वंदना टेटे |
| पुरखा लड़के (आदिवासी इतिहास) | : | वंदना टेटे |
| झारखंड के आदिवासियों के बीच | : | वीर भारत तलवार |

**पत्रिकाएँ**

अपेक्षा : सं. तेजसिंह (दलित विशेष) नियमित

दलित अस्मिता : सं. प्रो. विमल थोराट

हंस : सत्ता-विमर्श और दलित, अगस्त, 2004

वसुधा : दलित विशेषांक, अंक-58

स्त्रीकाल : सं. संजीव चंदन (नियमित)

हंस : स्त्री विमर्श अंक, अक्टूबर, 2004

वसुधा : स्त्री विमर्श विशेषांक, अंक-59, 60

आदिवासी साहित्य : सं. गंगा सहाय मीणा

**बी0 ए0 (हिंदी) षष्ठ सेमेस्टर** **क्रेडिट-04** **पूर्णांक-100**

**छठा प्रश्नपत्र : मीडिया लेखन**

Sessionals : 30
End-Sem. Exam. of 2:30 hours duration : 70

**कोड : HNB-656**

**इकाई : 1**

1.1 पत्रकारिता (मीडिया) - अर्थ, परिभाषा एवं अवधारणा

1.2 प्रिंट मीडिया के विविध रूप (समाचार-पत्र, पत्रिकाएँ, पोस्टर, विज्ञापन)

1.3 इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के विविध रूप (रेडियो, टेलीविजन, सोशल मीडिया)

1.4 हिंदी के विकास में मीडिया की भूमिका

1.5 मीडिया-लेखन की संभावनाएँ और चुनौतियाँ

**इकाई : 2**

2.1 समाचार के विविध क्षेत्र, समाचार संकलन, समाचार-लेखन (इंट्रो, बॉडी, निष्कर्ष), संवाददाता की भूमिका

2.2 संपादकीय, फ़ीचर-लेखन, साक्षात्कार, रिपोर्ताज, फ़ोटो-फ़ीचर, समीक्षा-लेखन

2.3 समाचार के स्रोत, प्रेस-संबंधी कानून

2.4 विज्ञापन : महत्त्व, भाषा, प्रकार, नैतिकता

2.5 संपादन-कला

**इकाई : 3**

3.1 समाचार-वाचन

3.2 रेडियो-रूपक

3.3 धारावाहिक-लेखन/ टेलीड्रामा

3.4 सोशल मीडिया : अवधारणाएँ, प्रकार, संभावनाएँ

3.5 भूमंडलीकरण का मीडिया पर प्रभाव

**नोट :** (i) इस प्रश्नपत्र में तीन खंड होंगे। प्रथम खंड में 05-05 अंक के चार लघूत्तरीय प्रश्न होंगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द-सीमा 100-150 शब्द होगी। द्वितीय खंड में 10-10 अंक के चार प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द-सीमा 200-250 शब्द होगी। तृतीय खंड में 15-15 अंक के तीन दीर्घ उत्तरीय प्रश्न होंगे, इनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

2x5= 10; 3x10=30; 2 x 15 = 30; कुल= 70

(i) सेशनल के लिए 30 अंक निर्धारित हैं।

**सहायक पुस्तकें :**


हिंदी पत्रकारिता : स्वरूप एवं संदर्भ, विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन

हिंदी पत्रकारिता : हमारी विरासत, शंभूनाथ, वाणी प्रकाशन

टेलीविजन की भाषा : हरिश्चंद्र बर्णवाल, राधाकृष्ण प्रकाशन

फीचर लेखन : स्वरूप और शिल्प : मनोहर प्रभाकर, राजकमल प्रकाशन

समाचार संपादन : कमल दीक्षित/ महेश दर्पण, राजकमल प्रकाशन

समाचार एवं प्रारूप लेखन : डा. रामप्रकाश/ डा. दिनेश कुमार गुप्त, राजकमल प्रकाशन

मीडिया और बाजारवाद : रामशरण जोशी, राजकमल प्रकाशन

मीडियाकालीन हिंदी : स्वरूप एवं संभावनाएँ : अर्जुन चह्वाण, राजकमल प्रकाशन

मीडिया की बदलती भाषा : अजय कुमार सिंह, राजकमल प्रकाशन

प्रेस विधि एवं अभिव्यक्ति स्वातंत्र्य : हरबंश दीक्षित, वाणी प्रकाशन


Session-2019